



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

Daily

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

7 February



Quote of the Day



जो **बाहर** की सुनता है वो
बिखर जाता है, जो भीतर की
सुनता है वो **संवर** जाता है !!



संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से बाहर हुआ अमेरिका

UPSC Syllabus Relevance

- **UPSC Mains Paper 2**





परिचय

- ▶ 4 जनवरी, 2025 को, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी भागीदारी के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की।
- ▶ अमेरिका आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हट गया।
- ▶ UNRWA (फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी) के लिए अमेरिकी वित्त पोषण स्थायी रूप से रोक दिया गया था।



UNHRC



अमेरिका और UNHRC पर पृष्ठभूमि

- ▶ अमेरिका ने ट्रम्प के प्रशासन के तहत 2018 में मानवाधिकार परिषद छोड़ दी।
- ▶ परिषद ने इजरायल विरोधी पूर्वाग्रह का आरोप लगाया।
- ▶ बिडेन ने 2021 में अमेरिकी सदस्यता बहाल की लेकिन 2023 में फिर से चुनाव की मांग नहीं की।
- ▶ ट्रम्प की हालिया घोषणा ने अमेरिका के बाहर निकलने की पुष्टि की।

अमेरिका बाहर निकल गया



UNRWA और इसकी भूमिका

- ▶ 1948 के अरब-इजरायल संघर्ष से फिलिस्तीनी शरणार्थियों का समर्थन करने के लिए 1949 में स्थापित।
- ▶ सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है।
- ▶ गाजा, वेस्ट बैंक, जॉर्डन, लेबनान और सीरिया में 5.5 मिलियन से अधिक शरणार्थियों का समर्थन करता है।



ट्रम्प ने UNRWA फंडिंग को क्यों रोका?

- ▶ आरोप है कि UNRWA हमास के गुर्गों को शरण प्रदान करता है।
- ▶ 7 अक्टूबर, 2023, इज़राइल पर हमास के हमलों ने UNRWA की अखंडता पर चिंता जताई।
- ▶ इजरायल का दावा है कि यूएनआरडब्ल्यूए के 19 कर्मचारी हमलों में शामिल थे।
- ▶ ट्रम्प के फैसले ने मार्च 2025 तक सभी अमेरिकी फंडिंग को रोक दिया।



फंडिंग निकासी का प्रभाव

422 \$ मिलियन

- ▶ अमेरिका UNRWA का सबसे बड़ा दाता था: 2023 में \$422 मिलियन।
- ▶ 18 देशों ने शुरू में फंडिंग को फ्रीज कर दिया; अमेरिका को छोड़कर अधिकांश फिर से शुरू हो गए हैं।
- ▶ गाजा में संभावित मानवीय संकट, 650,000 स्कूली बच्चों और स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करता है।



इज़राइल और संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी संबंध

- ▶ ट्रम्प प्रशासन दृढ़ता से इजरायल समर्थक है। ✓
- ▶ इजरायल संयुक्त राष्ट्र निकायों पर **पक्षपात** और **तटस्थता** की **कमी** का आरोप लगाता है।
- ▶ ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के निष्पक्ष और जवाबदेह बने रहने की जरूरत दोहराई।



भविष्य के निहितार्थ

- ▶ संयुक्त राष्ट्र और सहयोगी देशों के साथ संभावित राजनयिक गिरावट।
- ▶ फिलिस्तीनी मानवीय प्रयासों पर तनाव बढ़ा।
- ▶ भविष्य के प्रशासन के तहत अमेरिकी विदेश नीति में संभावित बदलाव।



निष्कर्ष

- ▶ ट्रम्प के फैसले संयुक्त राष्ट्र और इजरायल पर उनके पिछले रुख को मजबूत करते हैं। ✓
- ▶ मानवीय प्रभाव चिंता का विषय बना हुआ है। ✓
- ▶ भविष्य का अमेरिकी नेतृत्व संयुक्त राष्ट्र और फिलिस्तीन के संबंध में नीतियों पर पुनर्विचार कर सकता है। →



संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी)

- ▶ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) दुनिया भर में मानवाधिकारों के संरक्षण और प्रचार के लिए काम करती है।
- ▶ यह संयुक्त राष्ट्र की एक अंतर-सरकारी संस्था है। इसका मुख्यालय स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में है।

अंतर सरकारी





संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी)

मानवाधिकार परिषद के काम:

मज़बूत

- ▶ मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण को मज़बूत करना
- ▶ मानवाधिकार उल्लंघनों को संबोधित करना संबोधित
- ▶ मानवाधिकार उल्लंघनों पर सिफ़ारिशें करना सिफ़ारिशें
- ▶ मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देना





संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी)

मानवाधिकार परिषद से जुड़ी खास बातें:

47 members countries

- ▶ मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य देश होते हैं. ✓ संयुक्त राष्ट्र महासभा
- ▶ इन सदस्यों का चुनाव संयुक्त राष्ट्र महासभा करती है.
- ▶ मानवाधिकार परिषद की बैठकें साल में कम से कम तीन बार होती हैं.
- ▶ मानवाधिकार परिषद की स्थापना 2006 में हुई थी. 2008 →
- ▶ इससे पहले, 1946 से 2006 तक मानवाधिकार आयोग था.



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) से बाहर होने के कारणों में से कौन सा सही नहीं है?

- (A) अमेरिका ने परिषद पर इजरायल विरोधी पूर्वाग्रह का आरोप लगाया।
- (B) ट्रम्प प्रशासन ने 2018 में परिषद छोड़ दी थी। ✓
- ~~(C)~~ बिडेन प्रशासन ने 2023 में परिषद से अमेरिका को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया। →
- (D) अमेरिका ने 2023 में फिर से चुनाव की मांग नहीं की।]



WHO से बाहर हुआ अर्जेंटीना

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 2**



**World Health
Organization**



परिचय

- ▶ अर्जेंटीना के राष्ट्रपति **जेवियर मिलेई** ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से देश के बाहर निकलने की घोषणा की।
- ▶ राष्ट्रपति के प्रवक्ता मैनुअल एडोर्नी ने **बुधवार को आधिकारिक घोषणा** की।
- ▶ निर्णय डब्ल्यूएचओ के साथ गहरी **नीतिगत असहमति** को दर्शाता है।





वैश्विक रुझानों के साथ संरेखण

- ▶ अर्जेंटीना का फैसला ~~हूँ~~ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इसी तरह के कदम का अनुसरण करता है।
- ▶ ट्रम्प ने 21 जनवरी को डब्ल्यूएचओ से अमेरिकी वापसी की शुरुआत की, जिस दिन उन्होंने पदभार संभाला था।
- ▶ माइली की नीतियां अक्सर दक्षिणपंथी लोकलुभावन नेताओं के साथ संरेखित होती हैं।



निकासी के प्रमुख कारण



स्वास्थ्य प्रबंधन में नीतिगत असहमति

- ▶ WHO का COVID-19 महामारी से निपटने का तरीका त्रुटिपूर्ण माना जाता है।
- ▶ लॉकडाउन सहित WHO की महामारी प्रतिक्रिया नीतियों की आलोचना।



निकासी के प्रमुख कारण



संप्रभुता की चिंता

- ▶ अर्जेंटीना अपने स्वास्थ्य क्षेत्र में बाहरी हस्तक्षेप से इनकार करता है।
- ▶ डब्ल्यूएचओ के प्रभाव को राष्ट्रीय निर्णय लेने पर प्रतिबंध के रूप में देखा जाता है।



WHO की COVID-19 प्रतिक्रिया की आलोचना

- ▶ डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के कारण अभूतपूर्व वैश्विक लॉकडाउन हुआ।
- ▶ अर्जेंटीना की सरकार इन उपायों को अर्थव्यवस्थाओं के लिए हानिकारक मानती है।
- ▶ दावा किया कि प्रतिबंधों से व्यापक आर्थिक क्षति हुई।



राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव

घरेलू राजनीति:

- ▶ रुढ़िवादी और राष्ट्रवादी समर्थकों के बीच साइली की स्थिति को मजबूत करता है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

- ▶ डब्ल्यूएचओ से संबद्ध देशों के साथ संबंधों में तनाव आ सकता है।
- ▶ वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग पर संभावित प्रभाव।



राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव

हेल्थकेयर सिस्टम चुनौतियां:

- ▶ WHO के वित्तपोषण, विशेषज्ञता और संसाधनों का संभावित नुकसान।



भविष्य का दृष्टिकोण

- ▶ क्या अर्जेंटीना वैकल्पिक वैश्विक स्वास्थ्य साझेदारी की तलाश करेगा?
- ▶ सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों और रोग की रोकथाम पर प्रभाव।
- ▶ भविष्य के प्रशासन के तहत डब्ल्यूएचओ में संभावित पुनः प्रवेश?



निष्कर्ष

- ▶ अर्जेंटीना की वापसी एक प्रमुख भू-राजनीतिक कदम है।
- ▶ वैश्विक संस्थानों में बढ़ते अविश्वास को दर्शाता है।
- ▶ वैश्विक स्वास्थ्य शासन में WHO की भूमिका के बारे में सवाल उठाता है।

WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन



World Health
Organization

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए काम करता है। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक एजेंसी है। इसका मुख्यालय स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा शहर में है।

स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का काम करता है

एजेंसी

जिनेवा

World Health Organization

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

- इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को हुई थी. स्थापना - 7 अप्रैल
- इसका मकसद दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य स्तर को ऊंचा करना है.
- यह बीमारियों से लड़ने और लोगों के स्वास्थ्य के लिए जागरूकता फैलाने का काम करता है.
- यह सरकारों और दूसरे संगठनों के साथ मिलकर काम करता है.
- यह लोगों के लिए सांस लेने वाली हवा, पानी, भोजन, दवाओं, और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है.

7 अप्रैल 1948

7 अप्रैल 1949

9 अप्रैल 1948

9 अप्रैल 1949



विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

- यह माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान देता है.
- यह वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य एजेंडे को तय करने और लागू करने की कोशिश करता है.
- यह सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों की जांच करता है.
- यह हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाता है.



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने WHO से बाहर निकलने की घोषणा क्यों की?

- (A) अर्जेंटीना को WHO की आर्थिक सहायता में कटौती का सामना करना पड़ा।
- (B) अर्जेंटीना ने WHO की COVID-19 महामारी प्रबंधन नीतियों से असहमति व्यक्त की।
- (C) WHO ने अर्जेंटीना पर स्वास्थ्य संबंधी प्रतिबंध लगाए थे।
- (D) WHO ने अर्जेंटीना की स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक मानकों के विपरीत बताया।



इक होर अश्रुत्थाम पुस्तक को साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 1**





- ▶ साहित्य अकादमी पुरस्कार भारतीय साहित्य के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है।
- ▶ वर्ष 2024 में डोगरी भाषा के लिए दिवंगत चमन अरोड़ा को सम्मानित किया गया।
- ▶ उनकी पुस्तक 'इक होर अश्वत्थामा' (लघु कथाएँ) को यह पुरस्कार मिला।





चमन अरोड़ा को मिला सम्मान

- ▶ सरकार ने साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 देने की घोषणा की।
- ▶ पुस्तक का चयन निर्णायक समिति द्वारा नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया गया।
- ▶ सम्मान समारोह: 8 मार्च 2025 को आयोजित होगा।





पुरस्कार की विशेषताएँ

पुरस्कार में शामिल होंगे:

- ▶ एक उत्कीर्ण ताम्र-पट्टिका ✓
- ▶ 1,00,000 रुपये की नकद राशि ✓
- ▶ एक विशेष कास्केट में दिया जाएगा। ✓
- ▶ यह पुरस्कार नामांकित व्यक्ति या परिवार के सदस्य को सौंपा जाएगा।



साहित्य अकादमी पुरस्कार की प्रक्रिया

- ▶ प्रतिवर्ष 24 भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों को सम्मानित किया जाता है।
- ▶ पुरस्कार चयन के लिए स्कूटनी, चर्चा और चयन प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- ▶ अनुवाद पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।



अन्य विशेष सम्मान

- ▶ भाषा सम्मान: गैर-मान्यता प्राप्त भाषाओं में योगदान देने वालों को।
- ▶ क्लासिकल एवं मध्यकालीन साहित्य सम्मान।
- ▶ महत्तर सदस्य व मानद महत्तर सदस्य चुने जाते हैं।
- ▶ आनंद कुमारस्वामी एवं प्रेमचंद फेलोशिप की भी स्थापना की गई है।



निष्कर्ष

- ▶ साहित्य अकादमी पुरस्कार भारतीय साहित्य में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
- ▶ चमन अरोड़ा का सम्मान डोगरी साहित्य के लिए गर्व की बात है।
- ▶ इस तरह के पुरस्कार लेखकों को प्रेरित करते हैं और साहित्य की समृद्धि में योगदान देते हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 के लिए डोगरी भाषा में किस लेखक की पुस्तक को सम्मानित किया गया?

- (A) गुलजार
- (B) रस्किन बॉन्ड
- (C) चमन अरोड़ा ✓
- (D) महाश्वेता देवी



भारत बना विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता

UPSC Syllabus Relevance

- **UPSC Mains Paper 3**





- ▶ भारत अब चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है।
- ▶ 2014 में सिर्फ 2 विनिर्माण इकाइयाँ थीं, लेकिन अब 300+ इकाइयाँ हैं।
- ▶ 2014-15 में 26% मोबाइल भारत में निर्मित होते थे, आज यह बढ़कर 99.2% हो गया है।





- ▶ रोज़गार वृद्धि: इस क्षेत्र में 12 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियाँ सृजित हुई हैं।

मोबाइल विनिर्माण में आर्थिक प्रगति		
वर्ष	विनिर्माण मूल्य (₹ करोड़ में)	निर्यात (₹ करोड़ में)
2014	18,900	नगण्य
2024	4,22,000	1,29,000+



मोबाइल विनिर्माण वृद्धि के प्रमुख कारक

चीन+1 प्रवृत्ति

- ▶ वैश्विक कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम कर रही हैं और भारत को विकल्प बना रही हैं।
- ▶ 2023-24 में भारत का मोबाइल निर्यात 40% बढ़ा, जबकि चीन और वियतनाम में गिरावट हुई।



मोबाइल विनिर्माण वृद्धि के प्रमुख कारक

भारत की घरेलू मांग

- ▶ 2014 में मोबाइल की घरेलू मांग \$12 बिलियन थी, जो 2024 में बढ़कर \$36 बिलियन हो गई।
- ▶ चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) 13% है।



मोबाइल विनिर्माण वृद्धि के प्रमुख कारक

वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता

- ▶ भारत अब वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVCs) का हिस्सा बनकर प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है।
- ▶ 2024-25 के बजट में मोबाइल निर्माण सामग्री पर कस्टम ड्यूटी 20% से घटाकर 15% की गई।



सरकारी पहल और समर्थन

'मेक इन इंडिया'

▶ बैटरी, चार्जर, स्पीकर, कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले असेंबली का घरेलू उत्पादन बढ़ाया।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (2021)

▶ बजट 2025 में ₹7,000 करोड़ आवंटित (83% वृद्धि)।



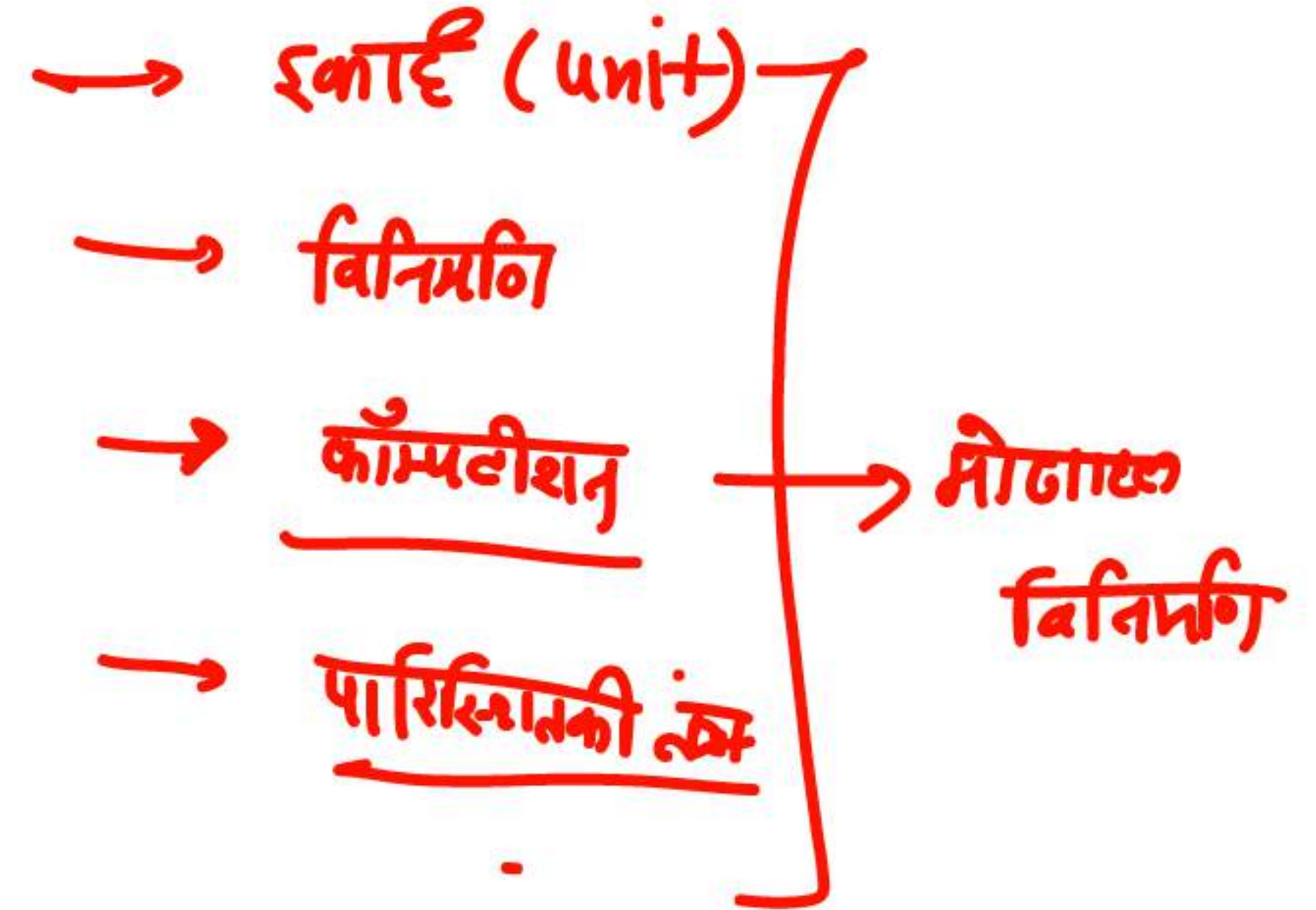
सरकारी पहल और समर्थन

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLI) 2020

- ▶ 2025 के बजट में 55% बढ़ाकर ₹9,000 करोड़ किया गया।

चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (PMP) 2017

- ▶ स्थानीय विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।





निष्कर्ष

- ▶ भारत, मोबाइल विनिर्माण में वैश्विक शक्ति बन रहा है।
- ▶ घरेलू उत्पादन, निर्यात और निवेश में जबरदस्त वृद्धि हुई है।
- ▶ सरकारी योजनाएँ और वैश्विक परिस्थितियाँ भारत को एक मजबूत विनिर्माण केंद्र बना रही हैं।



भारत में मोबाइल बनाने वाली कंपनियों की सूची:

- ▶ आईबॉल (Iball) *Iball*
- ▶ इंटेक्स टेक्नोलॉजीज़ (Intex Technologies)
- ▶ कार्बन मोबाइल्स (Karbonn Mobiles)
- ▶ लावा इंटरनेशनल (Lava International)
- ▶ एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ (HCL Technologies)
- ▶ एलवाईएफ़ (LYF) *LYF*
- ▶ माइक्रोमैक्स इंफ़ॉर्मेटिक्स (Micromax Informatics)
- ▶ ओनिडा इलेक्ट्रॉनिक्स (Onida Electronics)
- ▶ सेलकॉन (Celkon)
- ▶ वीडियोकॉन (Videocon)

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: भारत के मोबाइल विनिर्माण क्षेत्र की प्रगति के पीछे कौन सा कारण प्रमुख नहीं है?

- (A) उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (PLI)
- (B) चीन+1 नीति
- (C) भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की पूर्ण आत्मनिर्भरता
- (D) घरेलू मांग में वृद्धि



राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला

UPSC Syllabus Relevance

- **UPSC Mains Paper 1**





परिचय (राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला - 2025)

- ▶ स्थान: दुबियाखांड, पलामू
- ▶ तिथि: 11 एवं 12 फरवरी 2025
- ▶ उद्देश्य: जनजातीय संस्कृति, परंपरा और विकास को बढ़ावा देना





मुख्य आकर्षण

जनजातीय संस्कृति की झलक

- ▶ पारंपरिक नृत्य एवं संगीत
- ▶ जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति (ढोल, नगाड़ा, मांदर)
- ▶ पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों की प्रस्तुति



मुख्य आकर्षण

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- ▶ जनजातीय सेलिब्रिटी की भागीदारी
- ▶ जनजातीय कला, शिल्प एवं हस्तकला का प्रदर्शन



सरकारी योजनाएँ एवं सुविधाएँ

40+ स्टॉल्स:

- ▶ सरकारी विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी
- ▶ सीधा लाभ लाभुक वर्ग को मिलेगा

स्वास्थ्य सेवाएँ:

- ▶ मुफ्त चिकित्सा जांच एवं परामर्श
- ▶ आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता
- ▶ आई ऑन विल्स द्वारा नेत्र जांच



सरकारी योजनाएँ एवं सुविधाएँ

सामाजिक कल्याण:

- ▶ महिलाओं के लिए गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम
- ▶ सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के स्वीकृति पत्र वितरण



सुरक्षा एवं प्रबंधन

यातायात प्रबंधन:

- ▶ सुचारु यातायात की रणनीति
- ▶ पार्किंग एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था

सुरक्षा उपाय:

- ▶ पुलिस बल, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड वॉलंटियर्स की तैनाती
- ▶ पेयजल सुविधा हेतु चापानलों की मरम्मत



प्रशासनिक तैयारियाँ

बैठक अध्यक्ष:

- ▶ नगर आयुक्त जावेद हुसैन

अन्य प्रमुख अधिकारी:

- ▶ वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार
- ▶ उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद
- ▶ जिला कल्याण पदाधिकारी सेवा राम साहू



निष्कर्ष

- ▶ राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला-2025 आदिवासी समुदाय के विकास, सांस्कृतिक समृद्धि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला 2025 कहां आयोजित किया जा रहा है?

- (A) रांची
- (B) पलामू
- (C) झाबुआ
- (D) दंतेवाड़ा



कर्नाटक नक्सल मुक्त घोषित

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 2**

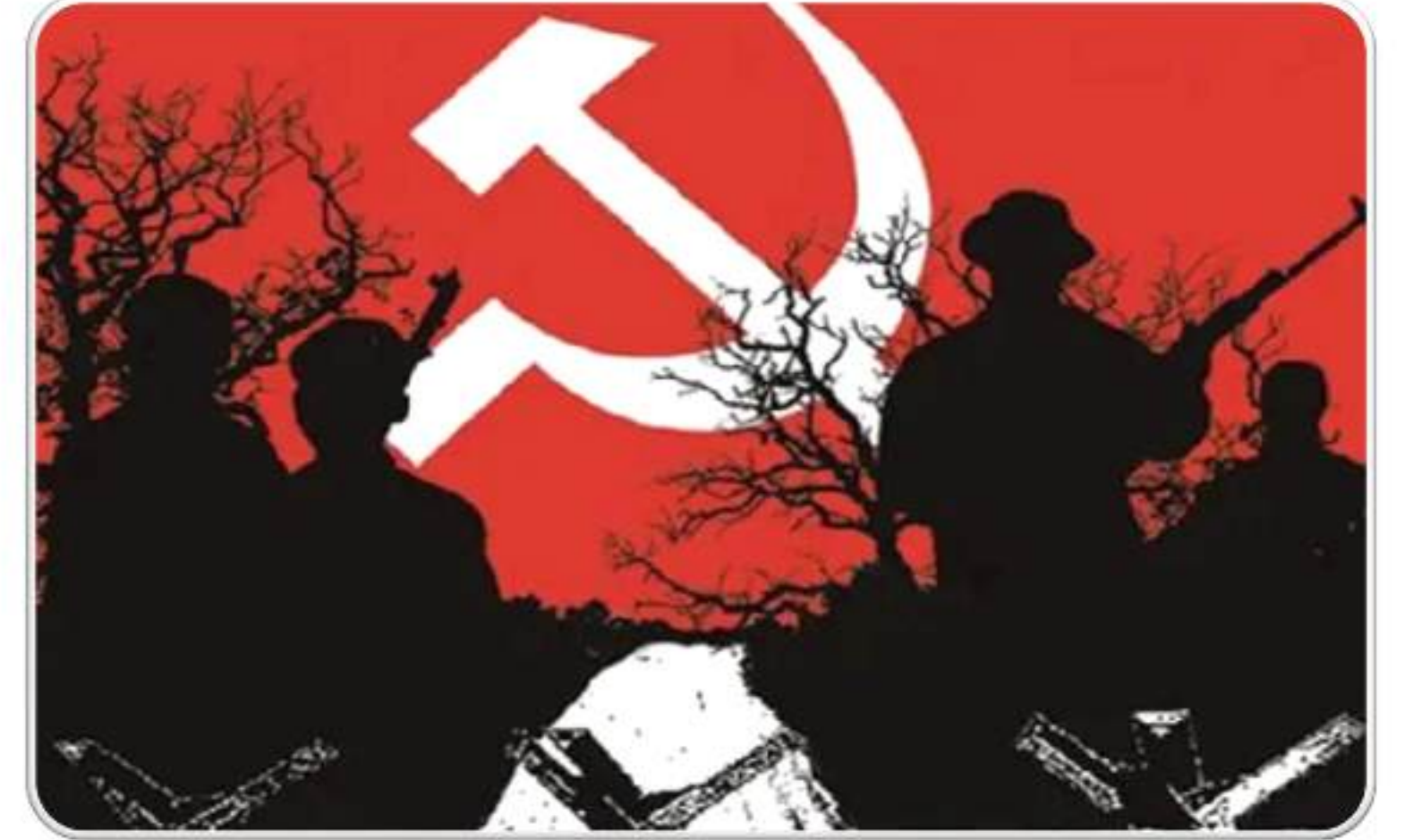




आत्मसमर्पण का घटनाक्रम

(कर्नाटक की अंतिम नक्सली लक्ष्मी ने किया सरेंडर)

- ▶ लक्ष्मी, कर्नाटक की अंतिम नक्सली, ने उडुपी की डिप्टी कमिश्नर विद्या कुमारी और एसपी अरुण के. की मौजूदगी में बिना शर्त आत्मसमर्पण किया।
- ▶ लक्ष्मी पर तीन आपराधिक मामले दर्ज थे, जो 2007-2008 से जुड़े हैं।





लक्ष्मी और उसका नक्सली कनेक्शन

- ▶ लक्ष्मी कुंदापुरा तालुक के माछट्टू गांव की निवासी है।
- ▶ उसके पति सलीम ने पहले ही 2020 में आंध्र प्रदेश में आत्मसमर्पण कर दिया था।
- ▶ उसने 15 साल पहले परिवार से नाता तोड़ दिया और नक्सली एजेंडे को बढ़ाने में लगी रही।
- ▶ वह चिकमंगलुरु और उडुपी जिलों में नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थी।



आत्मसमर्पण पैकेज और सुविधाएं

- ▶ लक्ष्मी 'ए' कैटेगरी की कैंडिडेट मानी गई, जिसके तहत उसे ₹7 लाख की सहायता मिलेगी।
- ▶ तीन साल तक चरणबद्ध तरीके से आत्मसमर्पण पैकेज दिया जाएगा।
- ▶ आत्मसमर्पण करने वालों को शिक्षा, पुनर्वास और रोजगार की सुविधाएँ मिलेंगी।



राज्य सरकार की प्रतिक्रिया

- ▶ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आत्मसमर्पण पैकेज लागू करने के लिए धन्यवाद दिया।
- ▶ जिला प्रशासन से लक्ष्मी पर लगे सभी आरोपों को हटाने की अपील की गई।
- ▶ राज्य सरकार ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण नीति को सफलतापूर्वक लागू किया गया।



नक्सलवाद पर कर्नाटक की विजय

- ▶ 2025 में अब तक 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।
- ▶ राज्य आत्मसमर्पण समिति ने सरकार से आग्रह किया कि नक्सलियों के खिलाफ मामलों को शीघ्र निपटाया जाए।
- ▶ कर्नाटक अब आधिकारिक रूप से नक्सल मुक्त राज्य घोषित किया गया।



पुलिस बल को सम्मान

- ▶ मुख्यमंत्री कार्यालय ने घोषणा की कि 22 पुलिस अधिकारियों और जवानों को 'मुख्यमंत्री पदक' दिया जाएगा।
- ▶ कोटेहंडा रवींद्र के आत्मसमर्पण के बाद राज्य को नक्सल मुक्त घोषित किया गया।



निष्कर्ष

- ▶ लक्ष्मी के आत्मसमर्पण के बाद, कर्नाटक एक नक्सल मुक्त राज्य बन गया।
- ▶ आत्मसमर्पण नीति के तहत नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- ▶ यह शांति और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



नक्सलवाद क्या है?

- ▶ नक्सलवाद, भारत में एक उग्रवादी कम्युनिस्ट आंदोलन है जिसका नाम पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से लिया गया है, जहां यह आंदोलन सबसे पहले उभरा था।
- ▶ यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानता, शोषण, और सरकार की उपेक्षा के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। नक्सली अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं, जिसमें सुरक्षा बलों पर हमले, अपहरण और हत्याएं शामिल हैं।



नक्सलवाद के कारण

- ▶ सामाजिक और आर्थिक असमानता: भारत के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता व्यापक रूप से फैली हुई है। नक्सली इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की इन समस्याओं का फायदा उठाते हैं।
- ▶ सरकारी उपेक्षा: इन क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों का अभाव और सरकार की उपेक्षा ने लोगों में असंतोष पैदा किया है।



नक्सलवाद के कारण

- ▶ भूमि सुधारों का अभाव: भूमि सुधारों में देरी और भूमिहीनता ने भी नक्सलवाद को बढ़ावा दिया है।
- ▶ माओवादी विचारधारा: नक्सलवादी माओवादी विचारधारा से प्रेरित हैं और वे समाजवादी क्रांति लाने का सपना देखते हैं।



नक्सलवाद का प्रभाव

- ▶ विकास में बाधा: नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है।
- ▶ हिंसा और अशांति: नक्सली हिंसा से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और क्षेत्र में अशांति फैल जाती है।
- ▶ पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमले: नक्सली सुरक्षा बलों पर हमले करते हैं जिससे सुरक्षाबलों के जवानों की जान जाती है।
- ▶ निवेश में कमी: नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में निवेश कम हो जाता है, जिससे रोजगार के अवसर कम होते हैं।



नक्सलवाद से निपटने के उपाय

- ▶ विकास कार्यक्रम: नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों को तेजी से लागू करना।
- ▶ शिक्षा और रोजगार: युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करना।
- ▶ सुरक्षा बलों को मजबूत बनाना: नक्सलवादियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए सुरक्षा बलों को मजबूत बनाना।



नक्सलवाद से निपटने के उपाय

- ▶ ग्रामीण विकास: ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों को लागू करके लोगों को मुख्यधारा में लाना।
- ▶ समाधान के लिए बातचीत: नक्सलियों के साथ शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करना।



भारत में नक्सलवाद प्रभावित राज्य

नक्सलवाद, जिसे वामपंथी उग्रवाद (LWE) भी कहा जाता है, भारत के कई राज्यों में एक गंभीर सुरक्षा चुनौती है। कुछ प्रमुख प्रभावित राज्य निम्नलिखित हैं:

- ▶ छत्तीसगढ़: सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है।
- ▶ झारखंड: कई जिलों में महत्वपूर्ण नक्सली गतिविधियां देखी जाती हैं।
- ▶ बिहार: राज्य के कई जिलों में नक्सलियों की मौजूदगी देखी गई है।

सुगमा



भारत में नक्सलवाद प्रभावित राज्य

- ▶ ओडिशा: विशेष रूप से दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्र प्रभावित हैं।
- ▶ महाराष्ट्र: राज्य के कुछ हिस्से, विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र, प्रभावित हुए हैं।
- ▶ आंध्र प्रदेश: हालांकि तीव्रता कम हो गई है, कुछ क्षेत्र अभी भी नक्सल चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।



भारत में नक्सलवाद प्रभावित राज्य

- ▶ तेलंगाना: छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से सटे कुछ जिले प्रभावित हैं।
- ▶ पश्चिम बंगाल: आंदोलन की उत्पत्ति इसी राज्य में हुई थी, हालांकि हाल के वर्षों में इसका प्रभाव कम हो गया है।
- ▶ मध्य प्रदेश: छत्तीसगढ़ के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में राज्य के कुछ हिस्सों में नक्सली गतिविधियां देखी गई हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: कर्नाटक को नक्सल मुक्त राज्य घोषित करने का मुख्य कारण क्या था?

- (A) सभी नक्सलियों की गिरफ्तारी
- (B) लक्ष्मी नामक अंतिम नक्सली का आत्मसमर्पण
- (C) सरकार द्वारा नक्सली क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती
- (D) केंद्र सरकार की विशेष सैन्य कार्रवाई



Thank You



इससे जुड़ी अहम जानकारियाँ



- ▶ यह सफलता चीनी विज्ञान अकादमी के प्लाज्मा भौतिकी संस्थान (ASIPP) के वैज्ञानिकों द्वारा प्राप्त की गई।
- ▶ इससे पहले, इस प्रयोगशाला में 403 सेकंड का रिकॉर्ड स्थापित किया गया था।